

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर (सीलिंग), पाली
पीठासीन अधिकारी:- श्री राधेश्याम (आर.ए.एस.)

म्यूटेशन अपील संख्या - 03/2021

जी.सी.एम.एस नम्बर - 2021/6

अपीलांट:-

बनाम रेशपोडेण्ट:-

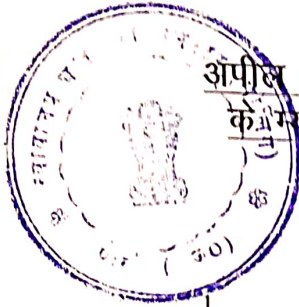
1. कल्याण सिंह पुत्र श्री जयसिंह उम
39 वर्ष जाति राजपुरोहित निवासी
देसुरी तहसील देसुरी जिला पाली
राजस्थान

1. शीता पत्नी रामसिंहजी, जाति
राजपुरोहित निवासी देसुरी, तहसील
देसुरी जिला पाली।

2. राजस्थान राज्य जरिये भूमिधारी
तहसीलदार, देसुरी

उपस्थिति:-

1. श्री हिममत सिंह राजपुरोहित, विद्वान अभिभाषकण अपीलांट
2. श्री सुरेन्द्र सिंह लवाना, विद्वान अभिभाषक रेशपोडेण्ट संख्या 2



अपील अंतर्गत धारा 75 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम विरुद्ध ग्राम देसुरी
के म्यूटेशन संख्या 3348 जो तहसीलदार देसुरी दिनांक 25.05.2020 को
स्वीकृत किया, उस आदेश को निरस्त कराने बाबत

-:आदेश:-

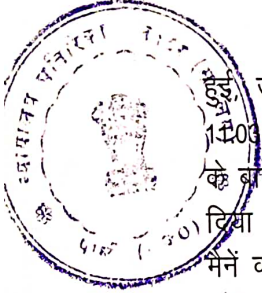
दिनांक 8/7/21

1. अपीलांट ने यह प्रार्थना-पत्र धारा 75 आर.एल.आर.एक्ट, 1956 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम देसुरी के खसरा नंबर 1131 रकबा 1.0800 हैक्टियर किरम नहरी अब्बल तथा जिसमें मृतक रामसिंह का 7/18 हिस्सा तथा देसुरी के खसरा नंबर 1132, 1135, 1140, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150 कुल खसरा 10 कुल रकबा 6.8100 में मृतक रामसिंहजी का 1/4 हिस्सा था, जो हक हिस्से की भूमि अपीलाण्ट के पक्ष में तारीख 27.02.2020 को जरिये वसियतनामा के अपीलाण्ट के पक्ष में वसियत कर दी, जो कृषि भूमि अपीलाण्ट के हक हिस्से की थी, जिस सम्पूर्ण आराजी में मृतक रामसिंह पुत्र श्री दवीसिंह के नाम थी, वो अपीलाण्ट के हक में वसियत की और जरिये वसियत अपीलाण्ट विधिवत् इस भूमि का खातेदारी देने का हक रखता है चूंकि मृतक रामसिंह का तारीख 09.03.2020 को देहान्त हो गया है उसका मृत्यु प्रमाण इस अपील के साथ पेश किया गया है उसका मृत्यु प्रमाण इस अपील के साथ संलग्न है ऐसी सुरत में उक्त भूमि वसियत के आधार पर अपीलाण्ट इस भूमि का हक अधिकार रखता है। अपीलाण्ट ने तारीख 11.03.2020 को वसियतनामा लगाते हुए रेशपोडेण्ट संख्या 2 के यहा आवेदन कर दिया, लेकिन बिना आवेदन का निस्तारण इस भूमि की खातेदारी रेशपोडेण्ट संख्या 1 के नाम दर्ज कर दी जो विरासत का म्यूटेशन इस तरह से दर्ज नहीं किया जा सकता, क्योंकि उक्त भूमि मृतक रामसिंह ने अपनी स्वेच्छा से अपीलाण्ट द्वारा की गई सेवा चाकरी के कारण प्रसन्नचित में मुद्रा में उक्त भूमि अपीलाण्ट को जरिये वसियत दी गई। अपीलाण्ट ने जो मृतक रामसिंह की सेवा की है और

अति जिला कलक्टर (सीलिंग)
पाली (राज)


चूकि रामसिंह के कोई जायन्दा संतान पुत्र पुत्री नहीं होने से इस भूमि का अपीलान्ट के अन्य भाई हड़पना चाहते थे। जैसा कि वसियतनामा में भी मातीसिंह व अन्य भाई का मन मुटाव था, इसलिये पहले तो इस भूमि का वसियतनामा अपीलान्ट के पुत्र उदयवर्धन के नाम किया था, लेकिन मृतक रामसिंह को पता था कि ये नाबालिग है और विवाद करेंगे, इसलिये बाद में अपीलान्ट के हक में आखरी वसियतनामा निष्पादित किया, ऐसी सुरत में उक्त भूमि की खातेदारी सीता के पक्ष में नहीं दर्ज करके वसियत के आधार पर अपीलान्ट करनी थी, ऐसी नहीं किया।

अपीलान्ट ने आवेदन पेश किया लेकिन उस पर कोई नतीजा भूमिधारी तहसीलदार ने नहीं दिया, न ही मामला दर्ज करके इस मामले को साक्ष्य सबूत लेकर निस्तारण करना था, जो नहीं किया है, इस कारण यह म्यूटेशन संख्या 3348 जो तारीख 25.05.2020 को स्वीकृत किया है, उस आदेश को निरस्त फरमावे तथा उक्त पत्रावली अधिनस्त भूमिधारी तहसीलदार को विधिवत् सुनवाई कर वसियतनामा के आधार पर अपीलान्ट के नाम म्यूटेशन दर्ज करने का आदेश फरमावें। अपीलान्ट मृतक रामसिंह की खातेदारी भूमि को जरिये वसियत प्राप्त करने का अधिकारी है, लेकिन प्रार्थी का आवेदन व वसियतनाम पेश कर भूमिधारी को आवेदन किया, फिर भी उस पर निर्णय नहीं दिया है, इस कारण अपीलान्ट इस म्यूटेशन आदेश दिनांक 25.05.2020 से पीड़ित है।



अपीलाधीन आदेश के बारे में सर्वप्रथम जानकारी तारीख 22.03.2021 को तब हुई जब अपीलान्ट भूमिधारी तहसीलदार देसुरी के पास गया और अपना आवेदन दिनांक 22.03.2020 के बारे में जानकारी चाही तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि आपके आवेदन के बारे में कोई निर्णय नहीं हुआ व मृतक रामसिंह की पत्नी सीता के पक्ष में म्यूटेशन दर्ज कर दिया है, ऐसी सुरत में अपीलान्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कोरोना की वजह होते हुए भी मैंने कई बार आपसे इस भूमि संबंधी सम्पर्क साधा, लेकिन कोरोना की बहानाबाजी करते रहे और अब यह कहा गया कि इस जमीन म्यूटेशन को 3348 तारीख 25.05.2020 को मृतक रामसिंह की पत्नी सीता के नाम दर्ज हो गया, तब अपीलान्ट ने आवेदन तारीख 22.03.2021 को पेश किया वह तुरन्त प्रभाव से नकल लेकर पाली आया, जिस जानकारी से उक्त अपील अन्दर म्याद पेश है। वैसे तो कोरोना की वजह से सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नीति निर्देश जारी किये कि कोरोना की वजह से कोई भी अपील निगरानी अवधि बाहर तो उसे विधि में म्याद में शुमार करावे और वैसे अपीलान्ट के इस भूमि संबंधी संवैधानिक हक अधिकार छिने जा रहे है ऐसी सुरत में ऐसे अवैधानिक आदेश को अपीलान्ट कभी भी चुनौती दे सकता है। इस कारण भी उक्त अपील को उक्त कारण से अन्दर म्याद शुमार फरमावें। अतः ग्राम देसुरी के म्यूटेशन संख्या 3348 जो तारीख 25.05.1920 को स्वीकृत किये उसे मय खर्चा खारिज फरमावें तथा अपीलान्ट के हक में खातेदारी दर्ज करने का विधिसम्मत निर्णय पारित करने का हुक्म प्रदान करावे।

2. अपील मयाद बाहर होने से अपीलान्ट ने अपील के साथ धारा 5 लिमिटेसन एक्ट का प्रार्थना-पत्र मय शपथ पत्र प्रस्तुत किया।
3. अपील दर्ज रजिस्टर कर रेस्पोंडेंट्स को जरिये सम्मन तलब किया गया।
4. रेस्पोंडेंट संख्या 1 बावजूद सम्मन तामिल के न्यायालय में उपस्थित नहीं हुई।
5. बहस अपील उभयपक्ष की सुनी गई।

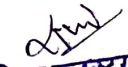
असि 
जिला क्लर्क (सीलिंग)
पाली (राज)

6. विद्वान अभिभाषक अपीलांट ने प्रार्थना पत्र के तथ्यों को दौहराते हुये बहस के दौरान निवेदन किया कि ग्राम देसूरी के खसरा नंबर 1131 रकबा 1.0800 हैक्टेयर किस्म नहरी अब्बल तथा जिसमें मृतक रामसिंह का 7/18 हिस्सा तथा देसूरी के खसरा नंबर 1132, 1135, 1140, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150 में मृतक रामसिंहजी का 1/4 हिस्सा था, जो हक हिस्से की भूमि अपीलाण्ट के पक्ष में तारीख 27.02.2020 को जरिये वसियतनामा के अपीलाण्ट के पक्ष में वसियत कर दी, जो कृषि भूमि अपीलाण्ट के हक हस्से की थी, जिस सम्पूर्ण आराजी में मृतक रामसिंह पुत्र श्री दवीसिंह के नाम थी, वो अपीलाण्ट के हक में वसियत की और जरिये वसियत अपीलाण्ट विधिवत् इस भूमि का खातेदारी देने का हक रखता है चूंकि मृतक रामसिंह का तारीख 09.03.2020 को देहान्त हो गया है ऐसी सुरत में उक्त भूमि वसियत के आधार पर अपीलाण्ट इस भूमि का हक अधिकार रखता है। अपीलाण्ट ने तारीख 11.03.2020 को वसियतनामा लगाते हुए रेस्पोजेण्ट संख्या 2 के यहा आवेदन कर दिया, लेकिन बिना आवेदन का निस्तारण इस भूमि की खातेदारी रेस्पोजेण्ट संख्या 1 के नाम दर्ज कर दी जो विरासत का म्यूटेशन इस तरह से दर्ज नहीं किया जा सकता, क्योंकि उक्त भूमि मृतक रामसिंह ने अपनी स्वेच्छा से अपीलाण्ट द्वारा की गई सेवा चाकरी के कारण प्रसन्नचित में मुद्रा में उक्त भूमि अपीलाण्ट को जरिये वसियत दी गई। अपीलाण्ट ने जो मृतक रामसिंह की सेवा की है और चूंकि रामसिंह के कोई जायन्दा संतान पुत्र पुत्री नहीं होने से इस भूमि का अपीलाण्ट के अन्य भाई हड़पना चाहते थे। जैसा कि वसियतनामा में भी मोतीसिंह व अन्य भाई का मन मुटाव था, इसलिये पहले तो इस भूमि का वसियतनामा अपीलाण्ट के पुत्र उदयवर्धन के नाम किया था, लेकिन मृतक रामसिंह को पता था कि ये नाबालिग है और विवाद करेगें, इसलिये बाद में अपीलाण्ट के हक में आखरी वसियतनामा निष्पादित किया, ऐसी सुरत में उक्त भूमि की खातेदारी सीता के पक्ष में नहीं दर्ज करके वसियत के आधार पर अपीलाण्ट करनी थी, ऐसी नहीं किया, फिर भी म्यूटेशन रेस्पोजेण्ट संख्या 1 के पक्ष में कर दिया, जिस म्यूटेशन को निरस्त करना लाजमी है। अपीलाण्ट ने आवेदन पेश किया लेकिन उस पर कोई नतीजा भूमिधारी तहसीलदार ने नहीं दिया, न ही मामला दर्ज करके इस मामले को साक्ष्य सबूत लेकर निस्तारण करना था, जो नहीं किया है, इस कारण यह म्यूटेशन संख्या 3348 जो तारीख 25.05.2020 को स्वीकृत किया है, अतः ग्राम देसूरी के म्यूटेशन संख्या 3348 जो तारीख 25.05.2020 को स्वीकृत किये उसे खारिज फरमावें तथा अपीलाण्ट के हक में खातेदारी दर्ज करने का विधिसम्मत निर्णय पारित करने का हुकम प्रदान करावें

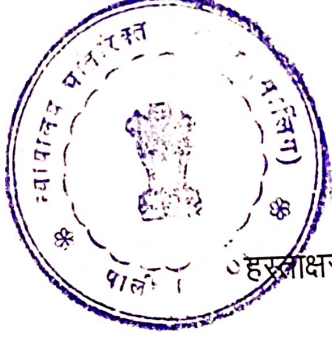
7. विद्वान अभिभाषक रेस्पोजेण्ट्स संख्या 2 ने बहस दौरान निवेदन किया कि तहसीलदार देसूरी द्वारा म्यूटेशन संख्या 3348 द्वारा भरा गया है वह विधि संगत है।

8. बहस पर मनन किया गया पत्रावली पर उपलब्ध करवाये गये पत्रावली का ध्यान-पूर्वक अवलोकन किया गया। श्री रामसिंह पुत्र देवीसिंह जाति राजपुरोहित द्वारा वसीयत नामा कल्याण सिंह के पक्ष में निष्पादित किया गया है। तहसीलदार देसूरी ने अपीलाण्ट को सुनवाई तथा साक्ष्य प्रस्तुत करने के समुचित अवसर नहीं दिये गये। तहसीलदार देसूरी द्वारा ग्राम देसूरी के खसरा नंबर 1131, 1132, 1135, 1140, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150 पर विरासत का नामांतरकरण संख्या 25.05.2020 स्वीकृत किया गया को यथावत रखा जाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है।

9. अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपीलांट द्वारा प्रस्तुत धारा 5 लिमिटेशन एक्ट के प्रार्थना-पत्र को स्वीकार किया जाकर अपील प्रस्तुत करने में हुए विलम्ब को क्षमा किया जाता है। मौजा ग्राम देसूरी तहसील देसूरी के नामान्तरकरण संख्या 3348 दिनांक


अति जिना कन्स्टट (सीलिंग)
पाली (राज)

25.05.2020 तहसीलदार देसूरी द्वारा स्वीकृत किया गया है को निरस्त किया जाकर प्रकरण तहसीलदार देसूरी को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित (Remand) किया जाता है कि राजस्थान भु-राजस्व अधिनियम 1956 कि धारा 135 के तहत दर्ज रजिस्टर किया जावे तथा दोनो पक्षों को नोटिस से तलब किया जाकर, साक्ष्य/सबूत, सुनवाई का प्रयाप्त अवसर देकर तथा वसीयतनामा की जांच कर उक्त नामान्तरकरण को पुनः नियमानुसार विधि अनुरूप कार्यवाही करे। अधीनस्थ न्यायालय का रेकॉर्ड लौटाया जावें। पत्रावली फ़ैसल में शुमार होकर दाखिल दफ्तर की जावे।



[Signature]
अति जिला क्लर्क (सीलिंग)
पाली (राज)

यह आदेश आज दिनांक 08/07/21 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर बाद हस्ताक्षर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

[Signature]
अति जिला क्लर्क (सीलिंग)
पाली (राज)